# समुद्री ऊदबिलाव

एवलिन शॉ

चित्र: चेरी पेप

समुद्री ऊदबिलाव ठंडे प्रशांत महासागर में पैदा होते हैं. वे वहाँ खेलते हैं, तैरते हैं और गोते लगाते हैं. वे वहाँ खाते हैं और सोते हैं. फिर भी वे स्तनधारी हैं और हवा में साँस लेते हैं.

इस आसानी से पढ़ी जाने वाली प्रकृति पुस्तक में, सुसान नामक एक वैज्ञानिक एक मादा समुद्री ऊदबिलाव और उसके शावक का अध्ध्ययन करती है. सुसान के साथ, युवा पाठक यह पता लगाएंगे कि समुद्री ऊदबिलाव ठंडे महासागर में कैसे गर्म रहते हैं: वे घोंघे, केकड़े और अन्य भोजन कैसे पकड़ते हैं; और वे पानी पर तैरते हुए कैसे सोते हैं.

शब्दों और चित्रों के माध्यम से, पाठक यह पता लगाएंगे कि कैसे माँ समुद्री ऊदबिलाव अपने शावक को बड़े होने पर खुद की देखभाल करना सिखाती है.

# समुद्री ऊदबिलाव

एवलिन शॉ

चित्र: चेरी पेप

# परिचय

बहुत, बहुत, बहुत, बहुत, बहुत पहले
ऊदबिलाव सूखी ज़मीन पर रहते थे.
फिर उन्होंने ज़मीन छोड़ दी.
कोई नहीं जानता कि क्यों.
शायद वहाँ पर्याप्त भोजन नहीं था.
शायद वहाँ पर्याप्त जगह नहीं थी.

फिर ऊदबिलाव पानी में रहने चले गए.

उनमें से कुछ समुद्र में रहने चले गए.

वहाँ उन्हें बहुत सारा खाना और जगह मिली.

वे समुद्री ऊदबिलाव बन गए.

समुद्री ऊदबिलाव

ठंडे प्रशांत महासागर में पैदा होते हैं.

वे वहाँ खेलते हैं, तैरते हैं
और गोते लगाते हैं.
वे वहाँ संभोग करते हैं.
वे वहाँ सोते हैं.
वे वहीं मर जाते हैं.

समुद्री ऊदबिलाव
आप और मेरे जैसे
स्तनधारी होते हैं.
वे हवा में सांस लेते हैं.

# अध्याय 1

सुसान एक वैज्ञानिक है.

वह कैलिफोर्निया के मोंटेरे में रहती है.

वह हर दिन समुद्री ऊदबिलाव

के एक समूह का अध्धयन करती हैं.

वह उन्हें कई काम करते हुए देखती हैं.

आज सुसान एक छोटी नाव में बैठी हैं.

वैज्ञानिक उनके बारे में जानना चाहते हैं.

ऊदबिलाव कैसे गर्म रहते हैं?

वे क्या खाते हैं?

वे अपने पिल्लों की देखभाल

कैसे करते हैं?

नाव, केल्प नाम के

कुछ पौधों की ओर बह रही है.

केल्प एक समुद्री शैवाल है

जो समुद्र के तल से ऊपर की ओर बढ़ता है.

समुद्री ऊदबिलाव

केल्प - समुद्री शैवाल के पास तैरता है.

ऊदबिलाव के बड़े चप्पू जैसे पैर

आसमान की ओर इशारा करते हैं.

सुसान इस जानवर को जानती है.

उसने उसका नाम गार्बो रखा है.

गार्बो का अपना एक नया पिल्ला है.

सुसान ने पिल्ले का नाम बो रखा है.

बो अभी कुछ हफ़्ते का ही है.

बो अपनी माँ के पेट पर सो रहा है.

गार्बो पानी के नीचे

गोता लगाने के लिए तैयार हो रही है.

बो अभी गोता लगाने के लिए

पर्याप्त मजबूत और बड़ा नहीं है.

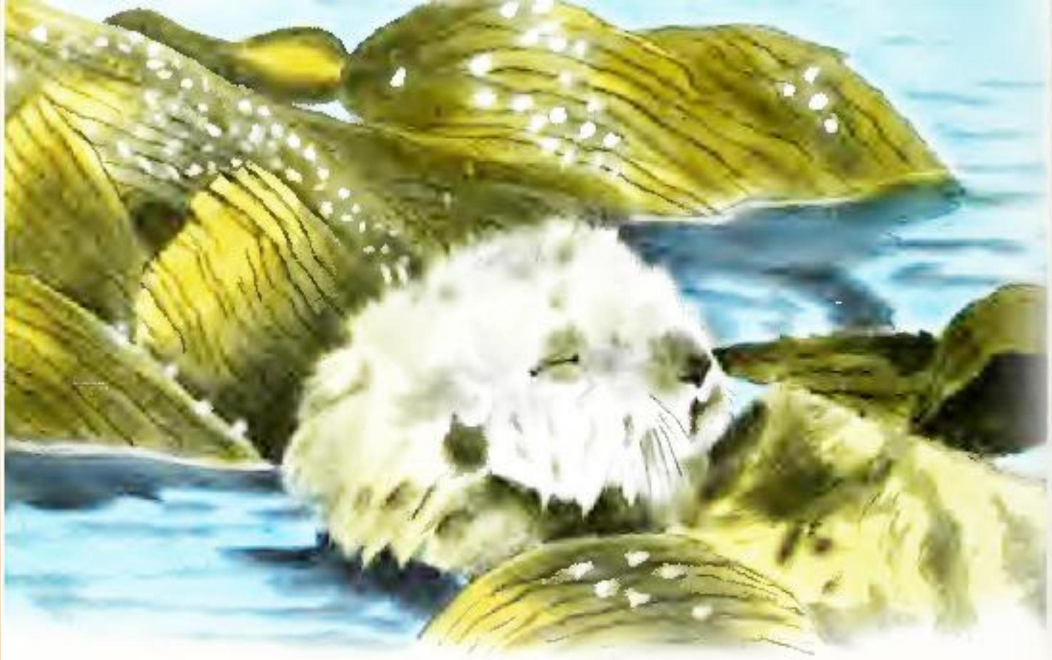

गार्बो पानी के नीचे गोता लगाती है.

एक मिनट बाद वह बाहर निकलती है.

वह अपनी पीठ के बल तैरती है

अपने सोते हुए पिल्ले की बगल में.

गार्बो अपने पिल्ले को

केल्प में तैरता हुआ छोड़ देती है.

पिल्ला वहाँ सुरक्षित है.

वहां उसे देख पाना मुश्किल है.

पिल्ले का सुनहरा-भूरा फर

केल्प के रंग का ही है.

वहां पर बो छिटकता नहीं है.

गार्बो को पानी के नीचे कुछ खाना मिला है.

उसने अपनी छाती पर पाँच घोंघे रखे हैं.

उसके हाथ के पास एक पत्थर भी है.

गार्बो घोंघे के खोल को

अपने दांतों से नहीं काट सकती है.

वे बहुत सख्त होते हैं.

वह पत्थर को अपने पेट पर रखती है.

फिर घोंघे को पत्थर से टकराती है.

वह पत्थर को एक औजार की तरह

इस्तेमाल कर रही है.

घोंघे के खोल तोड़ने के बाद,

वह उसका मांस को चूसती है.

खाते समय

वह पानी में बार-बार लोटती है.

खोल के टुकड़े गिरते हैं.

गार्बो अपने फर से

खोल के टुकड़े भी साफ करती है.

फिर गार्बो अपना चेहरा
और मूंछें पोंछती है.
वह अपने पंजों से अपने फर
को रगड़ती और कंघी करती है.
वह अपने फर में फूंक मारती है.
जिससे उसका फर फूल जाता है.
फर मुलायम और हवादार हो जाता है.

फूला हुआ फर गार्बो को
तैरने में मदद करता है.
फूला हुआ फर गार्बो को
सूखा और गर्म रखता है.
फर के नीचे गार्बो की त्वचा
कभी गीली नहीं होती.
यही कारण है कि गार्बो
और अन्य समुद्री ऊदबिलाव
ठंडे समुद्र में जमते नहीं हैं.

फिर गार्बो नींद में डूबी बो को,

अपने पेट पर लिटाती है.

वह पिल्ले को खाना खिलाती है.

वह बो को हर दिन कई बार खाना खिलाती है.

बो का मुँह निप्पल को छूता है.

बो दूध चूसता है.

जल्द ही बो फिर से सो जाती है.

छोटे पिल्ले बहुत सोते हैं,

छोटे बच्चों की तरह.

फिर गार्बो, बो को साफ करती है.

वह पिल्ले को हर जगह चाटती है.

वह बो के बालों को भी फुलाती है.

बो को साफ करते समय

वह कु, कु, कु, कु की आवाज़ करती है.

इस तरह

वह झपकी लेते समय

दूर नहीं जाती है.

पास में एक नर समुद्री ऊदबिलाव,

अन्य मादाएँ

और उनके बच्चे भी सो रहे हैं.

थोड़ी देर बाद

गार्बो केल्प में सो जाती है,

वह अपने पेट पर केल्प रिबन रखती है.

केल्प रिबन उसे

एक ही जगह पर रखते हैं.

दोपहर में गार्बो देर से उठती है.

वह फिर से भोजन की तलाश करती है.

सुसान ने पाया है कि

समुद्री ऊदबिलाव

अबालोन, केकड़े, समुद्री अर्चिन

और घोंघे खाते हैं.

समुद्री ऊदबिलाव

दिन और रात के समय भी

भोजन की तलाश करते हैं.

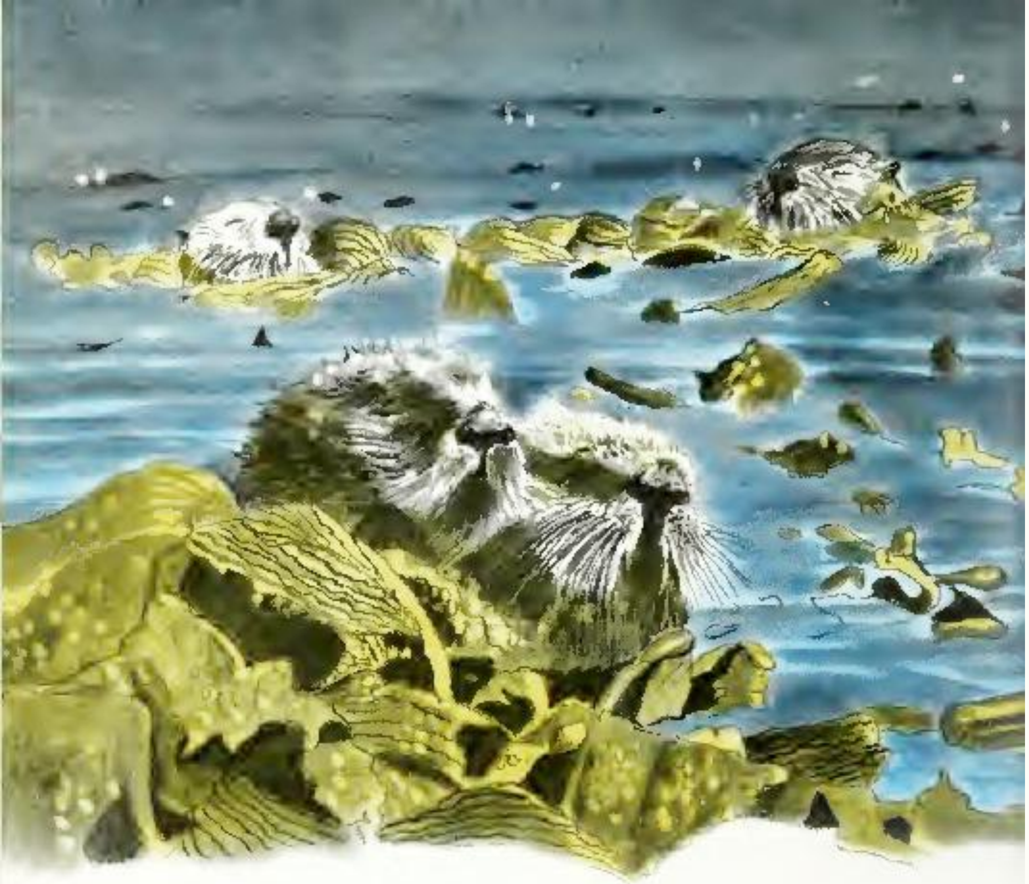

समुद्री ऊदबिलाव

दिन और रात में भी सोते हैं.

जब वे समुद्र में सोते हैं

तो खुद को केल्प रिबन से ढँकते हैं.

# अध्याय 2

एक सुबह सुसान

गार्बो को देखने के लिए

पानी के नीचे गोता लगाने की

योजना बनाती है.

सुसान कभी अकेले

गोता नहीं लगाती है.

उसका दोस्त साइमन भी

उसके साथ जाता है.

सुसान और साइमन रबर सूट पहनते हैं.

रबर सूट उन्हें गर्म रखते हैं.

वे अपने पैरों में

बड़े फ्लिपर्स पहनते हैं.

फ़्लिपर्स से

तैरना आसान हो जाता है.

वे अपनी पीठ पर

हवा के बड़े टैंक लगाते हैं.

फिर वे पानी के नीचे

सांस ले सकते हैं.

अंत में,

वे कांच के फेस मास्क लगाते हैं.

फिर वे बहुत अच्छी तरह से

देख सकते हैं.

साथ-साथ वे पानी के नीचे तैरते हैं.

वे केल्प रिबन के पास तैरते हैं.

रिबन इधर-उधर घूमते हैं.

माहौल बहुत सुंदर और बहुत शांत है.

सुसान और साइमन पानी के नीचे

एक चट्टान पर आराम करते हैं.

वे गार्बो का इंतज़ार करते हैं,

सुसान, गार्बो को

पानी के नीचे खाना ढूंढते हुए

देखना चाहती है.

जल्द ही गार्बो नीचे तैरती है.

वह व्हेल की तरह तैरती है,

अपने शरीर को ऊपर-नीचे हिलाती है.

गार्बो एक केकड़े का पीछा करती है.

केकड़ा बग़ल में फिसल जाता है.

वह उसे पकड़ नहीं पाती है.

फिर गार्बो एक बहुत बड़ी चट्टान पर

चिपके हुए अबालोन को देखती है.

वह एक छोटी चट्टान उठाती है.

वह अबालोन पर वार करती है.

अबालोन ढीला हो जाता है.

वह इसे अपनी छाती से लगाती है,

फिर उसे पकड़ती है.

और ऊपर आती है.

दस मिनट बाद

गार्बो वापस आती है.

इस बार

वह एक समुद्री अर्चिन लाती है.

अर्चिन के पैने काँटे

उसे परेशान नहीं करते हैं.

अचानक गार्बो,

सुसान और साइमन को देखती है.

वह धीरे-धीरे उनकी ओर तैरती है.

वह घूरती है.

सुसान, गार्बो से

आमने-सामने मिलकर खुश होती है.

लेकिन गार्बो जल्दी से मुड़ती है

और तैरकर दूर चली जाती है.

गार्बो, शायद डर गई है.

सुसान और साइमन तैरकर ऊपर आते हैं

और अपनी नाव में चढ़ जाते हैं.

वे अपने रबर सूट और एयर टैंक

उतारकर खुश होते हैं.

सुसान, साइमन को किनारे पर ले जाती है.

फिर वह वापस चली जाती है.

# अध्याय 3

उस दिन बाद में हवा चलने लगती है.

हवा पानी को खुरदरा और झागदार बना देती है.

नाव लहरों में ऊपर-नीचे उछलती है.

सुसान, गार्बो को देख रही है.

गार्बो भोजन की तलाश में जा रही है.

वह बो को केल्प के पास रखती है.

बड़ी लहरें बो को दूर

एक चट्टान की ओर ले जाती हैं.

गार्बो केवल एक मिनट के लिए

पानी के नीचे रहती है.

लेकिन जब वह ऊपर आती है,

तो वह बो को ढूंढ नहीं पाती है.

गार्बो बहुत परेशान है.

तैरते समय वह इधर-उधर देखती है.

वह बो को ढूंढ रही है.

गार्बो को छोटी-छोटी चीखें सुनाई देती हैं.

वाह, वाह, वाह.

वो चीखें उसे अपने

पिल्ले की चीखों जैसी लगती हैं.

गार्बो उनकी ओर तैरना शुरू कर देता है.

लेकिन चीखें समुद्री गल की आती हैं.

कभी-कभी समुद्री गल

की आवाज पिल्लों जैसी होती है.

गार्बो कुछ सील के पास तैरती है.

वह एक चट्टान पर बैठी

बड़ी काली चिड़ियों के पास से गुजरती है.

तभी

गार्बो को फिर से

छोटी-छोटी चीखें सुनाई देती हैं.

वाह, वाह, वाह.

गार्बो चिल्लाती है.

वह चट्टान के पीछे तैरती है.

वहाँ बो है.

बो रोना बंद नहीं करती है

भले ही उसकी माँ पास में हो.

पिल्ले कभी-कभी ऐसे ही होते हैं.

अब बो सुरक्षित है.

बो माँ के बिना समुद्र में अकेले

रहने के लिए बहुत छोटी है.

# अध्याय 4

बो अपनी माँ के साथ

लगभग आठ महीने तक रहती है.

उस दौरान सुसान, बो को

समुद्र में रहना सीखते हुए देखती है.

बो गोता लगाना सीखता है

जब वह गार्बो का अनुसरण

करने की कोशिश करता है.

सबसे पहले पिल्ला

अपने पैरों को ऊपर उठाता है.

केवल उसका सिर नीचे जाता है.

बो कोशिश करती है

और कभी-कभी रोती है.

पिल्ला अभी गोता नहीं लगा पाता है.

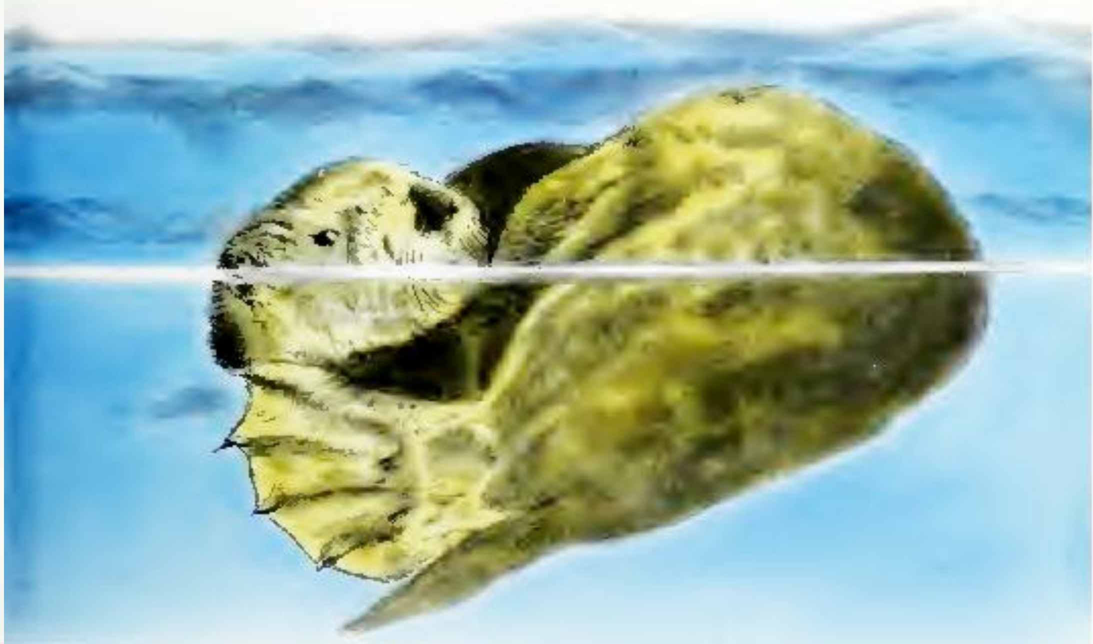

बो अंततः गोता लगाना सीखता है

धीरे-धीरे वह थोड़ा बड़ा,

और थोड़ा मजबूत हो जाता है.

इस बीच बो तैरना सीखता है.

गार्बो बो को पेट के बल लिटा देती है.

फिर वह धीरे-धीरे तैरकर दूर चली जाती है.

बो उसकी नकल करने की

कोशिश करता है.

जल्द ही बो अपने पैरों

और अगले पंजों को

नाव के चप्पू जैसे चलाने लगता है.

कुछ ही हफ्तों में बो

अपनी पीठ और पेट के बल

तैरने लगता है.

बो बड़ा हो जाता है.

वह अभी भी दूध

चूसने की कोशिश करता है.

गार्बो, बो को अबालोन,

केकड़ा, घोंघा और समुद्री अर्चिन

के टुकड़े खिलाती है.

कभी-कभी बो,

गार्बो से खाना छीनने

की कोशिश करता है.

फिर गार्बो उससे दूर चली जाती है.

बो को अपना खाना

खुद ढूँढना सीखना होगा.

अब बो अपनी माँ के साथ गोता लगाती है.

सबसे पहले बो खाली सीप,

समुद्री शैवाल के टुकड़े,

पत्थर और प्लास्टिक के कप लाती है.

खाने के लिए कुछ भी अच्छा नहीं!

धीरे-धीरे बो सीखती है

कि पानी के नीचे खाना कैसा दिखता है.

फिर बो घोंघे और अन्य खाने की चीज़ें लाती है.

बो घोंघे खोलने की कोशिश करती है.

वह अपनी माँ वाला पत्थर लेती है.

वह थपथपाती है लेकिन बहुत ज़ोर से नहीं.

घोंघे टूटते नहीं हैं.

जल्द ही बो घोंघों को

ज़ोर से मारना सीख जाती है.

बो खुद को साफ करती है.

वह अपने फ़र को भी फुलाती है.

कभी-कभी बो दूसरे पिल्लों के साथ खेलती है.

वे समुद्र में लुढ़कते-इतराते हैं.

अगर वे उग्र हो जाते हैं,

तो उनकी माताएँ

उन्हें अलग कर देती हैं.

रात में बो अपनी माँ के पास सोती है.

वह अब लगभग माँ जितनी ही बड़ी है.

आठ महीने के बाद में बो

अपनी माँ को छोड़ देती है.

वह समुद्र में कैसे रहना है सीख गई है.

वह नर समुद्री ऊदबिलाव के समूह में

शामिल हो जाती है.

वे एक साथ तैरते हैं.

सुसान अन्य माताओं और

अन्य शावकों को देखती है.

वह अन्य माताओं को वही काम

करते हुए देखती है

जो गार्बो ने किया था.

सुसान ने सीखा

कि कैसे समुद्री ऊदबिलाव

ठंडे प्रशांत महासागर में

अपने शावकों की देखभाल करते हैं.

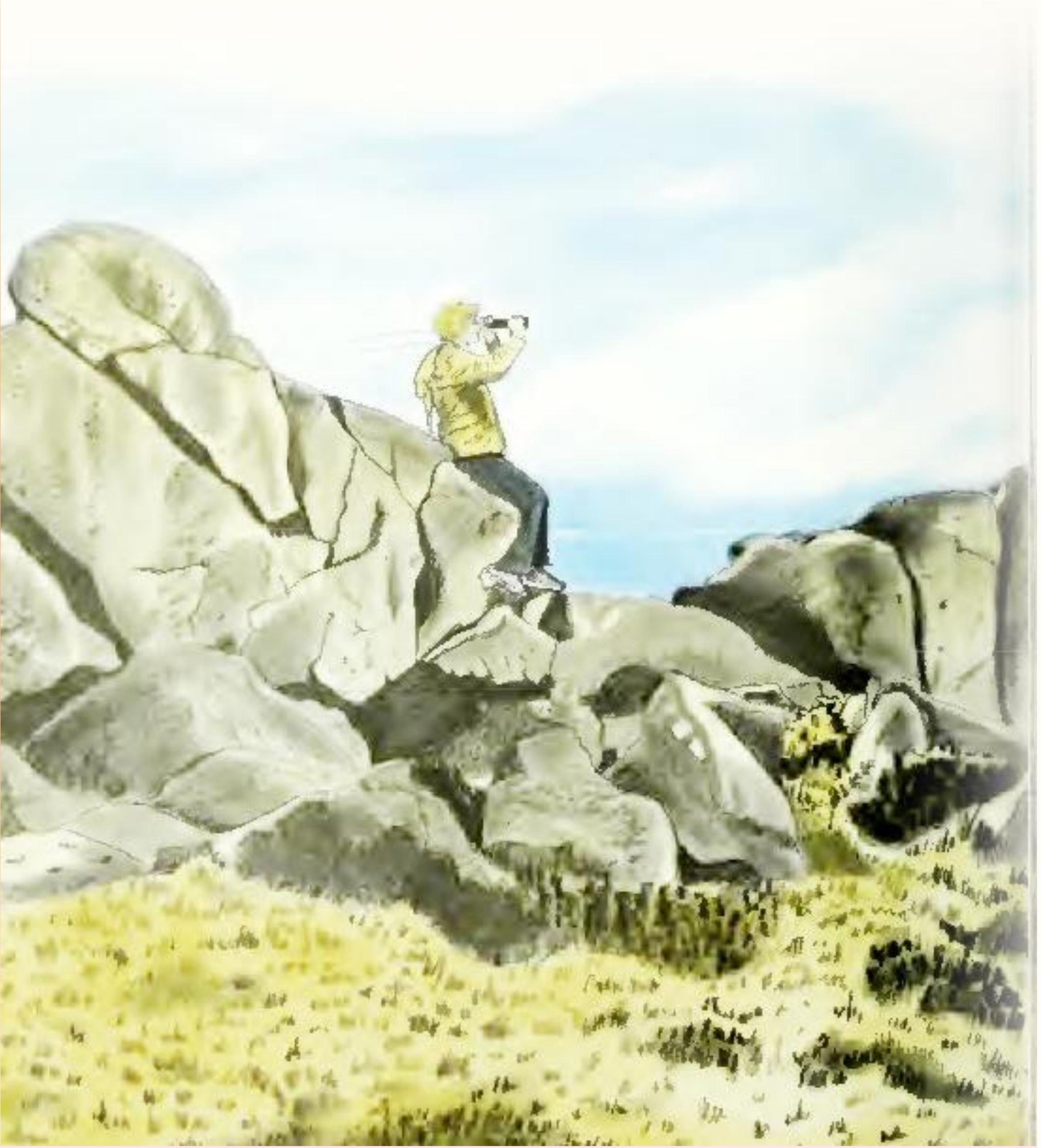

इस प्रजाति का वैज्ञानिक नाम *एनहाइड्रा ल्यूट्रिस* है. कैलिफ़ोर्निया के तटों के पास अब इतने कम ऊदबिलाव बचे हैं कि जल्द ही वे सभी विलुप्त हो सकते हैं.

लेखक और कलाकार जडसन ई. वंडेवेरे और *फ्रेंड्स ऑफ द सी ओटर* को उनके उत्कृष्ट संसाधनों के उपयोग के लिए धन्यवाद देते हैं.